**गुंडागर्दी** | नर्सिंग स्टाफ ने गुंडे बुलाकर घायल के परिजनों को धमकाया

# बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज शहडोल बना अखाड़ा

**नवभारत, शहडोल।** संभाग के सबसे बड़े स्वास्थ्य केंद्र, बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज में मानवता को शर्मसार करने वाला मामला सामने आया है। यहाँ एक घायल मरीज का इलाज करने के बजाय, नर्सिंग स्टाफ राजू द्वारा स्वयं एवं मेडिकल कॉलेज की गार्ड को बुलाकर परिजनों के साथ मारपीट और बदसलूकी करवाने का सनसनीखेज आरोप लगा है।

### खुशियों के घर में मातम और ऊपर से अस्पताल की 'गुंडागर्दी'

घटना बीती देर रात की है। संजय यादव (पप्पू) अपनी बहन की शादी के कार्ड बांटने निकले थे, तभी सड़क हादसे में वे गंभीर रूप से घायल हो गए। लहूलुहान हालत में उनके साले शिव यादव और अन्य परिजन उन्हें लेकर बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज पहुँचे। परिजनों को उम्मीद थी कि यहाँ उनके भाई को जीवनदान मिलेगा, लेकिन उन्हें क्या पता था कि यहाँ उनका सामना 'सफेदपोश गुंडागर्दी' से होगा।

### दवाई मांगी तो नर्सिंग स्टाफ 'राजू' ने बुला लिया अपना 'गैंग'

शिकायत के अनुसार, जब शिव यादव ने ड्यूटी पर तैनात नर्सिंग स्टाफ राजू से घायल के लिए जरूरी दवाइयां और इलाज की मांग की, तो राजू भड़क गया। बात सिर्फ बहस तक सीमित नहीं रही; आरोप है कि राजू ने फोन करके बाहर से अपने कुछ जान-पहचान के 'गार्ड को अस्पताल परिसर में बुला लिया। गार्ड ने भी लोगों से अभद्रता: इन बाहरी लड़कों ने अस्पताल के भीतर परिजनों को घेरकर उनके साथ बदतमीजी की और डराया-धमकाया। वीडियो बनाने पर हमला: जब परिजनों ने इस पूरी करतूत का वीडियो बनाना चाहा, तो स्टाफ और उसके बुलाए गए लड़कों ने मिलकर मोबाइल छीनने और मारपीट करने की कोशिश की।

### प्रशासनिक चुप्पी पर उठते सवाल

बिरसा मुंडा मेडिकल कॉलेज में राजू व उनके स्टाफ द्वारा घायल के परिजनों को धमकी दे डाली सुरक्षा व्यवस्था पर बड़े सवाल खड़े करता है। क्या अब अस्पताल में इलाज कराने के लिए मरीजों को गुंडों का सामना करना पड़ेगा

### कानून के घेरे में नर्सिंग स्टाफ : थाना सुहागपुर में शिकायत

इस पूरी घटना के बाद पीड़ित शिव यादव ने थाना सोहागपुर में लिखित आवेदन देकर अपनी और अपने परिवार की जान को खतरा बताया है। उन्होंने मांग की है कि

1. नर्सिंग स्टाफ राजू को तत्काल निलंबित किया जाए।
2. अस्पताल में अवैध रूप से घुसकर परिजनों को धमकाने वाले बाहरी लड़कों पर एफआईआर दर्ज हो।
3. अस्पताल के सीसीटीवी फुटेज खंगाले जाएं ताकि सच सामने आ सके।

# धूमधाम से मनाई गयी भगवान परशुराम की जयन्ती

**नवभारत, जयसिंहनगर।** विष्णु के छठवें अवतार भगवान परशु राम की जयन्ती स्थानीय दुर्गा मंदिर परिसर मे बडे धूमधाम से मनाई गयी। ब्राह्मण समाज जयसिंहनगर के तत्वावधान मे अक्षय तृतीया के अवसर पर भगवान परशुराम की पूजा अर्चना के साथ कार्यक्रम की शुरुआत की गयी। मंदिर परिसर मे उपस्थित भक्तो द्वारा अनवरत सुंदरकांड का पाठ किया गया। ब्राह्मण समाज द्वारा दुर्गा मंदिर परिसर में सामूहिक हवन का कार्यक्रम रखा गया जिसमें उपस्थित जनों द्वारा हवन कर विश्व कल्याण की कामना की गई। भगवान परशुराम की आरती के पश्चात ब्राह्मण समाज द्वारा माध्यमिक शिक्षा मंडल मध्य प्रदेश भोपाल द्वारा आयोजित परीक्षा में सफल एवं प्रवीण्य सूची में स्थान पाने वाले छात्र-छात्राओं का सम्मान किया गया। माध्यमिक शिक्षा मंडल भोपाल द्वारा घोषित हायर सेकेंडरी परीक्षा परिणाम में प्रदेश में दसवां स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा दीक्षा मिश्रा पिता नरेंद्र मिश्रा हाई स्कूल परीक्षा परिणाम में विकासखंड में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाली छात्रा कंचन प्रजापति पिता मनोज प्रजापति सीबीएसई 10जी की परीक्षा में कक्षा में द्वितीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र आदित्य गौतम पिता अरुण गौतम एवं हायर सेकेंडरी स्कूल परीक्षा में जिले में तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली जानवी उपाध्याय पिता कृष्ण कुमार उपाध्याय का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में ब्राह्मण समाज जैसीनगर के अध्यक्ष सनत कुमार पांडे, रामनिवास पयासी, परशुराम द्विवेदी महाविद्यालय के प्राचार्य धर्मेंद्र द्विवेदी, अरुण गौतम, दीपक पयासी, रामनारायण पांडे, मनोज द्विवेदी, कमला मिश्रा, इंद्रजीत मिश्र, शातिका प्रसाद तिवारी, राजेंद्र द्विवेदी, ओम प्रकाश शुक्ला, देवा पयासी, नीरज मिश्रा, मनोज मिश्रा, नीरज शर्मा, राजेंद्र शर्मा, शारदा प्रसाद द्विवेदी, मुनीष द्विवेदी, पंकज पांडे सहित श्रद्धालुजनउपस्थित रहे।

# सेवा, संवेदना और करुणा की अमृतधारा

▸ सुरभि महिला मंडल की 'प्याऊ' पहल बनी जनजीवन का संबल




**नवभारत, बंगवार-धनपुरी।** भीषण ग्रीष्म ऋतु के प्रचंड ताप के बीच सुरभि महिला मंडल, सोहागपुर क्षेत्र ने मानवता, करुणा और भारतीय संस्कृति का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया है। बंगवार भूमिगत खदान परिसर में आयोजित इस पुनीत पहल ने यह सिद्ध कर दिया कि सच्ची सेवा वही है, जिसमें केवल मानव ही नहीं, बल्कि समस्त जीव-जगत के प्रति दया और संवेदना समाहित हो।

कार्यक्रम का शुभारंभ भगवान भोलेनाथ की विधिवत पूजा-अर्चना के साथ हुआ, जिसने पूरे आयोजन को आध्यात्मिक ऊर्जा प्रदान की। इसके उपरांत मंडल की अध्यक्षा श्रीमती इलोरा जेना ने वृक्षों पर स्थापित मिट्टी के पात्रों में जल भरकर प्यासे पंछी-परिंदों के लिए जीवनदायिनी व्यवस्था की। यह दृश्य करुणा, सह-अस्तित्व और प्रकृति प्रेम का सजीव प्रतीक बन गया। इसी भाव को आगे बढ़ाते हुए मंडल द्वारा 'प्याऊ' सेवा का शुभारंभ किया गया। बंगवार, खैरहा, दामिनी और आसपास के क्षेत्रों में स्थापित इन प्याऊ केंद्रों के माध्यम से राहगीरों, श्रमिकों, रिक्शा चालकों और आम नागरिकों को स्वच्छ एवं शीतल पेयजल उपलब्ध कराया जा रहा है। तपती दोपहर में यह व्यवस्था किसी अमृतधारा से कम नहीं, जो जन-जन को राहत प्रदान कर रही है। कार्यक्रम के दौरान खरबूजा, खीरा, ककड़ी, गुड़, चना, आम पना एवं शरबत जैसे पारंपरिक शीतल पेय पदार्थों का वितरण भी किया गया, जिससे लोगों को ताजगी और सुकून मिला। इस सेवा कार्य में मंडल की सदस्याओं— सत्त्या रामन्ना, पदमा हरिबाबू, सरजू सिंह, अनुपा सेन गुप्ता, सपना गंभीर, अंजना कुर्रे सहित अन्य महिलाओं ने सक्रिय भागीदारी निभाई। श्रीमती इलोरा जेना के नेतृत्व में सुरभि महिला मंडल का यह प्रयास केवल एक दिन का आयोजन नहीं, बल्कि सतत सेवा का संकल्प है। ग्रीष्म ऋतु भर निरंतर जल सेवा जारी रखने का निर्णय इस पहल को और अधिक सार्थक बनाता है। भारतीय संस्कृति के 'परोपकाराय पुण्याय' सिद्धांत को साकार करते हुए यह आयोजन यह संदेश देता है कि प्यासे को जल पिलाना और जीवों पर दया करना ही सच्ची मानवता है। सुरभि महिला मंडल की यह पहल सेवा, संस्कार और समर्पण की ऐसी प्रेरणादायक धारा है, जो समाज को मानवीय मूल्यों के पथ पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित करती रहेगी।

# बालिका अस्मिता कप फुटबॉल प्रतियोगिता का शुभारंभ

▸ रेलवे ग्राउंड में तीन दिवसीय अंडर-16 प्रतियोगिता शुरू, पहले दिन खेले गए दो मुकाबले



**नवभारत, शहडोल।** जिला फुटबॉल संघ, शहडोल द्वारा ऑल इंडिया फुटबॉल फेडरेशन एवं मध्यप्रदेश फुटबॉल संघ के मार्गदर्शन में जिला स्तरीय बालिका अस्मिता कप (अंडर-16) फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 20 अप्रैल से 22 अप्रैल 2026 तक रेलवे फुटबॉल ग्राउंड, शहडोल में किया जा रहा है। प्रतियोगिता में जिले की 6 क्लब टीमें भाग ले रही हैं, जिन्हें लीग पद्धति से मुकाबले खिलाए जा रहे हैं।प्रतियोगिता का शुभारंभ सोमवार सुबह 7:30 बजे हुआ। उद्घाटन अवसर पर रेलवे स्कूल की प्राचार्या प्रभात कुशवाहा, जिला फुटबॉल संघ के कार्यकारी अध्यक्ष मोहम्मद जकारिया, रिलायंस सीबीएम के सामाजिक दायित्व प्रमुख राजीव श्रीवास्तव, संघ के सचिव रईस अहमद, कोषाध्यक्ष अनिल सिंह सहित अनेक खेलप्रेमी एवं गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में अतिथियों का बैज लगाकर स्वागत किया गया तथा प्रतियोगिता की रूपरेखा सचिव रईस अहमद ने प्रस्तुत की।

### पहले दिन हुए रोमांचक मुकाबले

प्रतियोगिता के प्रथम दिवस दो मैच खेले गए। पहला मुकाबला आरएफटीसी धनगवां और कंचनपुर के बीच हुआ, जो 0-0 की बराबरी पर समाप्त हुआ। वहीं दूसरे मैच में सीबीएम फुटबॉल क्लब जरवाही ने इलेवन फुटबॉल क्लब विचारपुर को 3-1 से हराकर शानदार जीत दर्ज की। जिला फुटबॉल संघ द्वारा आयोजित इस प्रतियोगिता से जिले की बालिकाओं को अपनी खेल प्रतिभा निखारने का अवसर मिलेगा और स्थानीय स्तर पर फुटबॉल को नई दिशा मिलने की उम्मीद है। प्रतियोगिता के संचालन हेतु मध्यप्रदेश फुटबॉल संघ द्वारा ऑफिशियल्स नियुक्त किए गए हैं। मैच कमिश्नर एस.एस.ए. नगवी (जबलपुर) रहेंगे, जबकि रेफरी की जिम्मेदारी अम्बुज कुमार गुप्ता, शेख कौनेन, यशोदा सिंह, संजय सिंह, राजू बैगा एवं लक्ष्मी सहिस संभाल रहे हैं।

# एईसीएल सोहागपुर में तबादलों का खेल : नियमों की धज्जियां

▸ घायल कर्मचारियों तक को नहीं बख्शा

**नवभारत, धनपुरी शहडोल।** एसईसीएल सोहागपुर क्षेत्र का प्रबंधन एक बार फिर अपने विवादित फैसलों को लेकर कठघरे में खड़ा है। ऐसा प्रतीत होता है मानो बिना विवाद के कोई भी निर्णय लेना प्रबंधन की कार्यशैली का हिस्सा ही नहीं रहा। ताजा मामला 16 डंपर ऑपरेटरों के सोहागपुर से गेवरा एरिया स्थानांतरण का है, जिसने कर्मचारियों और यूनियनों में जबरदस्त आक्रोश पैदा कर दिया है।

आरोप है कि कंपनी के तय नियमों को खुलकर ताक पर रख दिया गया। सामान्य प्रक्रिया के अनुसार प्रशासनिक आधार पर स्थानांतरण में कनिष्ठ कर्मचारियों को प्राथमिकता दी जाती है, लेकिन यहां उल्टा खेल खेला गया—वरिष्ठ कर्मचारियों को निशाना बनाते हुए मनमाने ढंग से तबादले कर दिए गए। यह पूरा घटनाक्रम 'अंधा बांटे रेवड़ी, चुन-चुन कर दे' वाली कहावत को चरितार्थ करता नजर आ रहा है। मामला यहीं नहीं थमता।

प्रबंधन की संवेदनहीनता उस समय चरम पर दिखी, जब गंभीर रूप से घायल और लंबे समय से बिस्तर पर पड़े कर्मचारियों को भी स्थानांतरण सूची में शामिल कर दिया गया। डंपर ऑपरेटर कमलेश साहू, जो बीते एक वर्ष से दुर्घटना के कारण बेड रेस्ट पर हैं, उनका भी तबादला कर दिया गया। यहां तक कि एक ऐसे कर्मचारी का भी स्थानांतरण किया गया, जिसका एक पैर तक कट चुका है। सवाल सीधा है—क्या ऐसे कर्मचारी डंपर चलाने में सक्षम हैं, या फिर यह फैसला केवल कागजों तक सीमित एक अमानवीय आदेश है?

संयुक्त मोर्चा के साथ केंद्रीय श्रम आयुक्त स्तर पर हुई वार्ता में जो सहमति बनी थी, उसे भी दरकिनार कर दिया गया। एचएमएस यूनियन ने प्रबंधन पर सीधा वादा खिलाफी और तानाशाही रवैया अपनाने का आरोप लगाया है। यूनियन पदाधिकारियों का कहना है कि यह केवल प्रशासनिक निर्णय नहीं, बल्कि कर्मचारियों के अधिकारों और सम्मान पर सीधा प्रहार है। क्षेत्रीय संयुक्त सलाहकार समिति सदस्य एवं कोयला मजदूर सभा (एचएमएस) के कार्यकारी अध्यक्ष एस.एन. मिश्रा ने कड़ी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि इस तरह के फैसले न केवल नियमों का उल्लंघन हैं, बल्कि मानवता को भी शर्मसार करते हैं। उन्होंने कंपनी के उच्चाधिकारियों से तत्काल हस्तक्षेप कर इस निर्णय की समीक्षा करने और न्यायपूर्ण कार्रवाई सुनिश्चित करने की मांग की है। सोहागपुर क्षेत्र में बढ़ता यह असंतोष साफ संकेत दे रहा है कि यदि समय रहते प्रबंधन ने अपने रवैये में बदलाव नहीं किया, तो यह मामला बड़े आंदोलन का रूप ले सकता है। फिलहाल कर्मचारियों में एक ही सवाल गूंज रहा है—क्या प्रबंधन के लिए नियम और मानवता दोनों ही महत्वहीन हो चुके हैं?

# नाबालिग से दुष्कर्म मामले में 20 वर्ष की सजा

▸ न्यायालय का सख्त फैसला पीड़िता को 1 लाख मुआवजा

**नवभारत, बुढार/धनपुरी।** अपर सत्र न्यायालय बुढार के न्यायाधीश सुशील अग्रवाल ने एक संवेदनशील मामले में कड़ा रुख अपनाते हुए आरोपी को दोषी ठहराते हुए 20 वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। यह निर्णय 20 अप्रैल को सत्र प्रकरण क्रमांक 32/2025 में सुनाया गया, जिसमें आरोपी इस्त्याक उर्फ सानू को बालकों का लैंगिक अपराधों से संरक्षण अधिनियम (क्क्रष्टस्ह्र ,ष्ह्ल) की धारा 5(एम)/6 के तहत दोषी पाया गया। इसके साथ ही भारतीय दंड संहिता की धारा 127(2) एवं 351(2) के अंतर्गत भी एक-एक वर्ष के कारावास से दंडित किया गया। प्रकरण के अनुसार, 4 अप्रैल 2025 को पीड़िता की मां ने थाना धनपुरी में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। रिपोर्ट में बताया गया कि 3 अप्रैल 2025 को शाम करीब 4 बजे उसकी 9 वर्षीय पुत्री पास की दुकान पर चिप्स लेने गई थी। वहीं आरोपी ने उसे दुकान के अंदर बुलाकर जबरन गलत हरकतें कीं। बच्ची के विरोध करने और रोने पर आरोपी ने उसे धमकाया कि वह किसी को कुछ न बताए। डर के कारण पीड़िता ने पहले घटना की जानकारी नहीं दी, लेकिन अगले दिन मां को घटना का पता चलने पर तुरंत पुलिस में शिकायत दर्ज कराई गई। थाना प्रभारी के निर्देशन में उपनिरीक्षक द्वारा मामले की गंभीरता से जांच की गई और साक्ष्य एकत्र कर न्यायालय में चालान प्रस्तुत किया गया। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने सभी साक्ष्यों और गवाहों का गहन परीक्षण किया। अभियोजन पक्ष ने घटना को संदेह से परे प्रमाणित किया, जिसके आधार पर न्यायालय ने आरोपी को दोषी करार दिया। न्यायालय ने न केवल आरोपी को कठोर सजा सुनाई, बल्कि पीड़िता के पुनर्वास को ध्यान में रखते हुए उसे एक लाख रुपये का मुआवजा विधिक सेवा प्राधिकरण, शहडोल के माध्यम से प्रदान करने का आदेश भी दिया। इस मामले में अभियोजन की ओर से पैरवी कुशलता से की गई, जिससे पीड़िता को न्याय मिल सका। न्यायालय का यह निर्णय समाज में यह स्पष्ट संदेश देता है कि बाल अपराधों के प्रति कानून सख्त है और ऐसे मामलों में दोषियों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाएगा।

# आधी रात शहडोल मेडिकल कॉलेज में बवाल

▸ इलाज में लापरवाही और दुर्व्यवहार का मामला आया सामने



**नवभारत, शहडोल।** जिले के शासकीय मेडिकल कॉलेज अस्पताल में बीती रात हुई एक घटना ने अब तूल पकड़ लिया है। जहाँ एक ओर मरीज के परिजनों ने डॉक्टरों और सुरक्षा व्यवस्था पर गंभीर आरोप लगाते हुए लिखित शिकायत दर्ज कराई है, वायरल वीडियो में डॉक्टर से परिजन इलाज करने की मांग कर रहे हैं, डॉक्टर उन्हें समझाईश दे रहा है। वायरल वीडियो में डॉक्टर और परिजनों के बीच तू-तड़ाक करने को लेकर विवाद गर्मा गया।

### दुर्घटनाग्रस्त मरीज पक्ष ने लापरवाही का लगाया आरोप

कमला बाबू कॉलोनी निवासी शिव यादव पिता हीरालाल यादव ने थाना प्रभारी को सौंपे आवेदन में आरोप लगाया है कि 19 अप्रैल 2026 की रात करीब 11:55 बजे जब उनकी तबीयत बिगड़ी, तो ड्यूटी पर तैनात डॉक्टरों ने उन्हें नजरअंदाज किया। शिकायत के अनुसार, बार-बार आग्रह के बावजूद उचित उपचार नहीं मिला, डॉक्टर द्वारा तू-तड़ाक करके परिजनों से बात की जा रही थी और कहा गया कि 15 मिनट हुए हैं मर तो नहीं जाएगा, मेरे लिए सभी मरीज बराबर हैं, जिससे उनकी स्थिति गंभीर हो गई।पीड़ित पक्ष का कहना है कि अस्पताल में न केवल संवेदनशीलता की कमी है, बल्कि सुरक्षा गार्डों का व्यवहार भी 'दबंगों' जैसा है। उन्होंने सफाई व्यवस्था और मौके से पुलिस की नदारदगी पर भी सवाल उठाए हैं। स्थानीय लोगों ने चेतावनी दी है कि यदि दोषियों पर कार्रवाई नहीं हुई, तो आंदोलन भोपाल से दिल्ली तक गूंजेगा।

### अस्पताल प्रबंधन और सुरक्षा पर उठते सवाल

इस विरोधाभासी स्थिति ने मेडिकल कॉलेज की आंतरिक व्यवस्था को कठघरे में खड़ा कर दिया है। यहां तैनात सुरक्षा गार्ड, सुरक्षा के लिए हैं या विवाद बढ़ाने के लिए? विवाद के समय पुलिस बल मौके पर क्यों नहीं रहता? यदि अटेंडर हिंसक होते हैं, तो मेडिकल कर्मियों की सुरक्षा का क्या होता? अब गेंद प्रशासन के पाले में है। जहाँ पीड़ित पक्ष डॉक्टरों और गार्ड इंचार्ज पर कार्रवाई की मांग कर रहा है, वहीं नर्सिंग स्टाफकी सुरक्षा को लेकर भी आवाज उठने लगी है। अब देखना यह होगा कि अस्पताल प्रबंधन सीसीटीवी फुटेज और वायरल वीडियो के आधार पर क्या निष्पक्ष कदम उठाता है।

**लक्ष्य** | 2025 -26 में सोहागपुर एरिया अपने वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य से पीछे रह गया था

# वार्षिक उत्पादन लक्ष्य पूरा करने के साथ लाभ अर्जित करने में जुटा प्रबंधन

प्रदीप शर्मा



**नवभारत, धनपुरी।** वैसे तो एसईसीएल सोहागपुर एरिया को 2026 -27 का नया लक्ष्य बिलासपुर मुख्यालय से मिल चुका है लेकिन अभी बात अगर 2025 -26 मार्च महीने तक की बात की जाए तो सोहागपुर एरिया अपने वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य से पीछे रह गया था जिसे लेकर कई बातें पूरे वर्ष देखने को भी मिली और उसी को सबसे बड़ा कारण लक्ष्य पूरा न होने की वजह मानी जा रही है लेकिन इन सब बातों के साथ-साथ इस वर्ष एक बात यह भी देखने को मिली की जो सोहागपुर एरिया पिछले कुछ वर्षों से लगातार लाभ अर्जित कर रही थी इस वर्ष उसे एक करोड़ 60 लाख रुपए का घाटा उठाना पड़ा और यह कहीं ना कहीं एरिया प्रबंधन के लिए भी चिंता का कारण बना क्योंकि एसईसीएल सोहागपुर एरिया लगातार 2023 से करोड़ों रुपए का लाभ कोयला उत्पादन करके अर्जित कर रहा था और 2024-25 में तो यह एरिया 100 करोड रुपए के लाभ में चल रही थी और ऐसे समय पर एरिया का घाटा होना चिंता का कारण बना स्वाभाविक माना जा सकता है।

एसईसीएल सोहागपुर एरिया वैसे तो कोयला उत्पादन को लेकर लगातार कीर्तिमान स्थापित कर रही थी लेकिन 2025- 26 में जो लक्ष्य बिलासपुर मुख्यालय के द्वारा दिया गया था वह उसे पूरा नहीं कर पाई थी और इस तरह उसने अपने पूरे साल 55 लाख 55 हजार555 टन कोयला उत्पादन कर सकी थी जिसे सबसे बड़ा कारण था अमलाई ओपन कास्ट में कोयला उत्पादन न होना इसके साथ-साथ एरिया जो अपने लाभ की ओर लगातार अगर अग्रसर थी यहां पर भी उसे घाटा उठाना पड़ा वैसे घाटा इतना बड़ा तो नहीं हुआ लेकिन इसके बाद भी इसका असर एरिया में देखा जा सकता है महाप्रबंधक बी के जेना ने पदभार ग्रहण करने के बाद यहां की व्यवस्थाओं को बेहतर करने के लिए सभी प्रयास किए थे खदानों में उत्पादन बढ़ाने को लेकर उनका जो प्रयास था उसके परिणाम भी काफी हद तक सार्थक देखने को मिलाने लगे थे लेकिन तय समय पर अमली ओपन कास्ट में कोयला उत्पादन शुरू हो सके इसे लेकर जो प्रयास किया भी गए उसमें सफलता न मिल सके और इस तरह से यहां पर कोयला उत्पादन न हो सका और इसका सीधा असर एरिया के वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य में देखने को मिला लेकिन इसके साथ-साथ एरिया ने दो बड़ी सफलता भी अर्जित की जहां एक तरफ राजेंद्र भूमिगत खदान में सीएम प्रोजेक्ट लगने के साथ ही कोयला उत्पादन करना शुरू कर दिया था तो मार्च महीने के अंतिम समय में दामिनी भूमिगत खदान में भी सीएम प्रोजेक्ट का काम पूरा हो गया और अब यहां पर भी कोयला उत्पादन किया जा रहा है महाप्रबंधक इन दोनों ही भूमिगत खदानों में कोयला उत्पादन बढ़ाने को लेकर लगातार प्रयास कर रहे थे और प्रयास कहीं नतीजा था कि यहां पर समय रहते सीएम प्रोजेक्ट का काम पूरा हुआ वैसे इस वर्ष 2026-27 मार्च में मुख्यालय के द्वारा एरिया को 77 लाख टन के करीब वार्षिक कोयला उत्पादन का लक्ष्य दिया गया है जो एक बड़ा लक्ष्य माना जा सकता है लेकिन वर्तमान समय में एरिया की सभी खदानों की जो स्थिति है उसे देखकर इस बात को भी कहा जा सकता है कि महाप्रबंधक के नेतृत्व में इस वर्ष कोयला उत्पादन को लेकर यह एरिया एक नया कीर्तिमान स्थापित करेगी एरिया के इस वार्षिक कोयला उत्पादन लक्ष्य दो ओपन कास्ट खदानों की भूमिका सबसे महत्वपूर्ण भी मानी जा रही है और यही वजह है कि यहां दोनों ही ओपन कास्ट में कोयला उत्पादन सुरक्षा के साथ आगे बढ़ाने की दिशा में प्रबंधन अपनी ओर से शुरुआत से ही प्रयास अधिक करते हुए देखी जा रही है इसके साथ-साथ जिन भूमिगत खदानों में कोयला उत्पादन कम हो रहा था और इसका असर एरिया के कोयला उत्पादन पर स्वाभाविक तौर पर देखने को भी मिल रहा था अब यहां पर भी सीएम प्रोजेक्ट से कोयला उत्पादन होने लगा है यही कारण है कि यहां का उत्पादन बढ़ेगा और एरिया के वार्षिक कोयला उत्पादन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका भी निभाएगा।

2025- 26 में 31 मार्च तक एरिया को 60 लाख टन कोयला उत्पादन पूरा करना था लेकिन प्रबंधन की सभी प्रयास के बाद भी वार्षिक उत्पादन लक्ष्य में सफलता नहीं मिली और दूसरी तरफ जो एरिया लाभ की ओर आगे बढ़ रही थी उसे एक करोड़ 60 लाख रुपए का घाटा भी उठाना पड़ा वैसे अगर 2022 के पहले तक की बात की जाए तो यह एरिया लगातार घाटे में चल रहा था लेकिन इसके बाद स्थिति धीरे-धीरे बेहतर होते हुए नजर आने लगी और जो एरिया घाटे में चल रहा था वह धीरे-धीरे अपने घाटे को समाप्त कर लाभ की ओर अग्रसर होने लगी और लगातार फिर वह लाभ के साथ आगे बढ़ रही थी लेकिन इस वर्ष उसे घाटा उठाना पड़ा वहीं दूसरी तरफ प्रबंधन इस घाटे को समाप्त करके एरिया को फिर से लाभ की ओर ले जाने के लिए अभी से प्रयास शुरू कर दिया है और इस वर्ष जिस तरह से एरिया की सभी खदानों में कोयला उत्पादन शुरुआत से ही अच्छा देखने को मिल रहा है उसे लेकर अभी से इस बात का अंदाजा लगाया जा रहा है कि एरिया अपने वार्षिक लक्ष्य को पूरा करने के साथ-साथ एक बड़े लाभ को भी हासिल करेगी।